अनुक्रमणिका

भूमिका i-iii

अध्याय- 1 तुलनात्मक साहित्य का अर्थ, स्वरूप एवं विस्तार 1-10

1.1- तुलनात्मक साहित्य की उत्पत्ति

1.2- तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप एवं परिभाषा

1.3- तुलनात्मक साहित्य का महत्व

अध्याय- 2 नाटककारों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 11-23

2.1- पीयूष मिश्रा का व्यक्तित्व

2.2- दविंदर दमन का व्यक्तित्व

अध्याय- 3 हिंदी और पंजाबी नाटक पहचान और परख 24-37

3.1- हिंदी नाटक का विकास

3.2- पंजाबी नाटक का विकास

अध्याय- 4 'गगन दमामा बाज्यो और 'छिपण तो पहिलां' नाटक का तुलनात्मक अध्ययन 38-76

4.1 नाट्य शिल्प

4.1.1 कथानक

4.1.2 पात्र और चरित्र-चित्रण

4.1.3 संवाद शिल्प

4.1.4 भाषा शैली

4.1.5 गीत एवं संगीत योजना

4.1.6. मंच-सज्जा

4.1.7 वेशभूषा

4.1.8 रूप-सज्जा

4.1.9 प्रकाश और ध्वनि व्यवस्था

4.1.10 दृश्य विन्यास

4.2 नाट्य भाव

उपसंहार 77-78

संदर्भ ग्रंथ 79-80

परिशिष्ट 81-95